कक्षा–10 परीक्षा 2022–23

हिन्दी–ब (कोड–085)

निर्धारित समय– 3 घंटे **पूर्णांक – 80**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं– खंड 'अ' और 'ब'।
2. खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
4. निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
5. दोनों खंड़ों के कुल 18 प्रश्न हैं। दोनों खंड़ों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
6. यथासभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ – (वस्तुपरक प्रश्न)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** $(1 \times 5 = 5)$

प्रत्येक व्यक्ति का जीवन संघर्षों से भरा होता है। जीवन का कोई भी रास्ता सफल अथवा निर्बाध नहीं होता। कामयाबी के हर रास्ते में कई मुश्किलों का आना तय है। हर बड़ी सफलता के पीछे अनेक छोटी–छोटी असफलताएँ छिपी रहती हैं। किसी बड़े पत्थर के टुकड़े करने के लिए हमें उस पर असंख्य प्रहार करने पड़ते हैं। अंत में एक प्रहार ऐसा होता है कि वह पत्थर को दो टुकड़ों में बाँट देता है। लेकिन क्या अंतिम प्रहार से पहले किए गए सारे प्रहार निरर्थक थे? नहीं। ऊपर से बेशक पहले का हर प्रहार निरर्थक लगता हो, लेकिन हर प्रहार पूरी तरह सार्थक था, क्योंकि उन प्रहारों में ही अंतिम प्रहार की सफलता छिपी हुई थी। हर चोट ने निरंतर उस पत्थर को टूटने के अधिकाधिक निकट ला दिया था। वास्तव में थोड़ी–बहुत असफलताओं के बिना सफलता संभव ही नहीं। व्यक्ति अपनी सफलताओं की बजाय असफलताओं से सीखता है। हर सफलता से उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर मिलता है। हर असफलता से उसे पुर्नूल्यांकन का अवसर मिलता है। सफलता के बाद हम कभी अपना पुनर्मूल्यांकन नहीं करते। समस्या आए बगैर हम रास्ता नहीं खोजते। समस्याएँ ही हमें उपाय खोजने के लिए प्रेरित करती हैं, हमें चिंतनशील बनाती हैं, हम में धैर्य का विकास करती हैं। ठोकर खाने के बाद ही हम अपनी असफलता का कारण जानने का प्रयास करते हैं। उसके बाद ही नए सिरे से आगे बढ़ने के लिए अपनी क्षमता का विकास करते हैं। जीवन की हर असफलता किसी बड़ी सफलता का आधार बनती हैं।

(1) जीवन का कोई भी रास्ता नहीं होता–
- (क) बाधा रहित
- (ख) बाधायुक्त
- (ग) दुखद
- (घ) बहुत लंबा

(2) हर बड़ी सफलता के पीछे क्या छिपा रहता हैं–
- (क) धन–दौलत
- (ख) छोटी–छोटी असफलता
- (ग) एक सुनहरा भविष्य
- (घ) एक बड़ा इतिहास

Continue on next page.....

(3) बड़े पत्थर के टुकड़े को तोड़ने में उस पर पड़ने वाले किस प्रहार का अधिक महत्त्व हैं–
(क) पहले प्रहार का
(ख) दूसरे प्रहार का
(ग) प्रत्येक प्रहार का
(घ) अंतिम प्रहार का

(4) व्यक्ति अपनी सफलताओं की अपेक्षा असफलताओं से अधिक क्यों सीखता हैं–
(क) असफलता उसे बलवान बनाती है
(ख) असफलता उसकी बुद्धि को बढ़ाती है
(ग) असफलता उसे ज्ञानी बनाती है।
(घ) असफलता उसे पुनर्मूल्यांकन का अवसर देती है।

(5) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A) : हर बड़ी सफलता के पीछे अनेक छोटी–छोटी असफलताएँ छिपी रहती हैं।
कारण (R) : वास्तव में थोड़ी बहुत असफलताओं के बिना सफलता संभव ही नहीं हैं।
(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।
(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए–** **(1 × 5 = 5)**

साहित्य की शाश्वतता का तात्पर्य है– हर काल एवं परिस्थिति में अपनी उपयोगिता बनाए रखना एवं प्रासंगिकता को कम न होने देना। साहित्य की शाश्वतता का प्रश्न एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न है। क्या साहित्य शाश्वत होता है? यदि हाँ, तो किस मायने में? क्या कोई साहित्य अपने रचनाकाल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है, जितना वह अपनी रचना के समय था? अपने समय या युग का निर्माता साहित्यकार क्या सौ वर्ष की परिस्थितियों का भी युग–निर्माता हो सकता है। समय बदलता रहता है, परिथितियाँ और भावबोध बदलते हैं, साहित्य बदलता है और इसी के समानांतर पाठक की मानसिकता और अभिरूचि भी बदलती है। अतः कोई भी कविता अपने सामयिक परिवेश के बदल जाने पर ठीक वही उत्तेजना पैदा नहीं कर सकती, जो उसने अपने रचनाकाल के दौरान की होगी। कहने का तात्पर्य यह है कि एक विशेष प्रकार के साहित्य के श्रेष्ठ अस्तित्व मात्र से वह साहित्य हर युग के लिए उतना ही विशेष आकर्षण रखे, यह आवश्यक नहीं है। यही कारण है कि वर्तमान युग में इंगला–पिंगला, सुषुन्मा, अनहद, नाद आदि पारिभाषिक शब्दावली मन में विशेष भावोत्तेजन नहीं करती। साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है। उसकी श्रेष्ठता का युगयुगीन आधार हैं, वे जीवन–मूल्य तथा उनकी अत्यंत कलात्मक अभिव्यक्तियों जो मनुष्य की स्वतंत्रता तथा उच्चतर मानव–विकास के लिए पथ–प्रदर्शक का काम करती है। पुराने साहित्य का केवल वहीं श्री–सौंदर्य हमारे लिए ग्राह्य होगा, जो नवीन जीवन–मूल्यों के विकास में सक्रिय सहयोग दे अथवा स्थिति रक्षा में सहायक हो। कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को अस्वीकार करते हैं। वे मानते हैं कि साहित्यकार निरपेक्ष होता है और उस पर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए, किंतु वे भूल जाते हैं कि साहित्य के निर्माण की मूल प्रेरणा मानव–जीवन में ही विद्यमान रहती है। जीवन के लिए ही उसकी सृष्टि होती है। तुलसीदास जब स्वांतः सुखाय काव्य–रचना करते हैं, तब अभिप्राय यह नहीं रहता कि मानव–समाज के लिए इस रचना का कोई उपयोग नही हैं, बल्कि उनके अंतः करण में संपूर्ण संसार की सुख भावना एवं हित कामना सन्निहित रहती है, जो साहित्यकार अपने संपूर्ण व्यक्तित्व को व्यापक लोक जीवन में सन्निविष्ट कर देता हैं, उसी के हाथों स्थायी एवं प्रेरणाप्रद साहित्य का सृजन हो सकता है।

(1) साहित्य की श्रेष्ठता का निर्धारण सुनिश्चित करता है
(क) व्यक्ति को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बनाना
(ख) लोक व्यवहार की पराकष्ठा पर प्रतिक्रिया देना
(ग) सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत को बाधित करना
(घ) पथ–प्रशस्त कर मूल्यों का समावेशन करके कला भाव जगाना

Continue on next page.....

(2) नवीन जीवन–मूल्यों के विकास में सक्रिय सहयोग से आशय है–
(क) स्वांत–सुखाय की कामना कर आगे बढ़ना
(ख) श्री–सौंदर्य को प्राथमिकता देकर आगे बढ़ना
(ग) नवाचार व मूल्यों को आत्मसात कर आगे बढ़ना
(घ) वर्तमान में साहित्य के माध्यम से आगे बढ़ना

(3) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
(i) समय के साथ–साथ साहित्य और पाठकों की मानसिकता और अभिरूचि भी बदलती है।
(ii) साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके आकर्षण का आधार है।
(iii) कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं।
उपयुक्त कथनों में से कौन–सा/कौन–से सही हैं/हैं–
(क) केवल (i)
(ख) (i) और (iii)
(ग) (i) और (ii)
(घ) (ii) और (iii)

(4) 'कोई साहित्य अपने रचनाकाल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है। 'कथन के आधार पर उचित तर्क हैं–
(क) साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उनके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है
(ख) संपूर्ण साहित्य का स्थायी व स्पष्ट आधार नहीं है
(ग) लोक कल्याणकारी, स्थायी एवं प्रेरणाप्रद साहित्य होने की दशा में
(घ) पारिभाषिक शब्दावली द्वारा स्पष्टीकरण करने की दशा में

(5) 'साहित्यकार निरपेक्ष होता हैं और उस पर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए। 'कथन किस मनोवृत्ति को प्रकट करता है–
(क) सामाजिक कार्यकर्ताओं की विचारधारा
(ख) साहित्य की शाश्वत क्रियाशील विचारधारा
(ग) समाज के प्रति वचनबद्धता का अभाव
(घ) निरपेक्ष व्यक्तियों की सकारात्मकता।

3. निर्देशानुसार 'पदबंध' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$

(1) 'थका–हरा' मजदूर लेटते ही सो गया।'– इस वाक्य में रेखांकित पदबंध है–
(क) संज्ञा पदबंध
(ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) विशेषण पदबंध
(घ) क्रिया पदबंध

(2) 'आप तो बहुत मालदार है।'–इस वाक्य में विशेषण पदबंध है–
(क) आप तो
(ख) बहुत मालदार
(ग) तो बहुत
(घ) मालदार है

(3) क्रिया पदबंध का उदाहरण छाँटिए–
(क) अभागी वह करती भी तो क्या करती?
(ख) घर के चारों ओर पेड़ लगे हैं।
(ग) राम के भाई से चला नहीं जाता।
(घ) मुझे सब सुनाई दे रहा है।

(4) 'लंबी सफेद दाढ़ी वाला एक व्यक्ति आया है।'– इस वाक्य में रेखांकित पदबंध है–
(क) संज्ञा पदबंध
(ख) सर्वनाम पदबंध
(ग) क्रिया पदबंध
(घ) विशेषण पदबंध

(5) 'उसने तताँरा को तरह–तरह से अपमानित किया।'– इस वाक्य में रेखांकित पदबंध का प्रकार है–
(क) विशेषण पदबंध
(ख) क्रिया विशेषण पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध
(घ) क्रिया पदबंध

4. निर्देशानुसार 'रचना' के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– $(1 \times 4 = 4)$

(1) 'नूह ने उसकी बात सुनी और दुःखी हो मुद्दत एक रोते रहें। इस वाक्य का सरल वाक्य के रूप में रूपांतरित वाक्य है–
(क) जब नूह ने उसकी बात सुनी तब वे दुःखी हो गए और मुद्दत तक रोते रहे।
(ख) नूह उसकी बात सुनकर दुःखी हो मुद्दत तक रोते रहे।
(ग) नूह ने दुःखी होकर उसकी बात सुनी और मुद्दत तक होते रहे।
(घ) चूँकि नूह ने उसकी बात सुनी इसलिए वे दुःखी हो मुद्दत तक रोते रहे।

(2) 'जब असफल हो गए तो शोक करना व्यर्थ है।'' इस वाक्य का भेद हैं–
(क) मिश्र वाक्य
(ख) प्रधान वाक्य
(ग) सरल वाक्य
(घ) संयुक्त वाक्य

(3) तताँरा को देखकर वामीरो फूट–फूटकर रोने लगी।' इस वाक्य का मिश्र वाक्य में रूपांतरण होगा–
(क) तताँरा को देखा और वामीरो फूट–फूटकर रोने लगी।
(ख) जैसे ही तताँरा को देखा, वीमोरा फूट–फूटकर रोने लगी।
(ग) वीमोरो ने तताँरा को देखा, इसलिए फूट–फूटकर रोने लगी।
(घ) तताँरा को देखते ही वीमारो ने फूट–फूटकर रोना आरंभ कर दिया।

(4) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य है–
(क) संसार में रचना कैसे भी हुई हो लेकिन धरती किसी एक की नहीं है।
(ख) सहसा नारियल के झुरमटों में उसे एक आकृति कुछ साफ हुई।
(ग) बार–बार तताँरा का याचना भरा चेहरा उसकी आँखों में तैर जाता था।
(घ) मेरे जीवन में यह पहली बार है मैं इस तरह से विचलित हुआ हूँ।

(5) 'सुधा अधिक बोलती है या राधा।' इस वाक्य का भेद है–
(क) सरल वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य
(घ) इनमें से कोई नहीं

5. **निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) 'शुभदिन' में कौनसा समास है?
(क) तत्पुरूष समास
(ख) कर्मधारय समास
(ग) द्विगु समास
(घ) द्वंद्व समास

(2) 'घुड़साल' का समास विग्रह है–
(क) घोड़े की साल
(ख) घोड़ों के लिए शाला
(ग) घोड़ों को शाला
(घ) घोड़ों से शाला

(3) निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए–

	समस्तपद		**समास**
(i)	वनवास	(i)	बहुव्रीहि समास
(ii)	आटा–दाल	(ii)	द्वंद्व समास
(iii)	महर्षि	(iii)	कर्मधारय समास
(iv)	घनश्याम	(iv)	तत्पुरूष समास

उपयुक्त युग्मों में से कौन–से सही सुमेलित हैं–
(क) (i) और (iv)
(ख) (i) और (iii)
(ग) (ii) और (iii)
(घ) (ii) और (iv)

(4) 'गुरूदक्षिणा 'शब्द के सही समास विग्रह और समास का चयन कीजिए–
(क) गुरू से दक्षिणा – तत्पुरूष समास
(ख) गुरू का दक्षिणा – तत्पुरूष समास
(ग) गुरू की दक्षिणा – तत्पुरूष समास
(घ) गुरू के लिए दक्षिणा – तत्पुरूष समास

(5) 'अष्टाध्यायी 'शब्द के लिए सही समास विग्रह और समास का चयन कीजिए–
(क) आठ अध्यायों का समाहार – द्विगु समास
(ख) आठ हैं जो अध्याय – बहुव्रीहि समास
(ग) अष्ट और अध्याय – द्वंद्व समास
(घ) अष्ट के अध्याय – तत्पुरूष समास

6. **निर्देशानुसार 'मुहावरे' पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** $(1 \times 4 = 4)$

(1) मुहावरे और अर्थ के उचित मेल वाले विकल्प का चयन कीजिए–
(क) घुड़कियाँ खाना – साहस प्राप्त होना
(ख) तलवार खींचना – सब कुछ नष्ट करना
(ग) पन्ने रँगना – व्यर्थ में लिखना
(घ) आग– बूबला होना – अपने वश में रहना

Continue on next page.....

(2) 'होश में न रहना' अर्थ के लिए उचित मुहावरा है–
(क) आँख लगना
(ख) साँप सूँघना
(ग) आपे से बाहर होना
(घ) सुध–बुध खोना

(3) सड़क पर गाड़ी तेज चलाने का मतलब है ..... कब दुर्घटना हो जाए भरोसा नहीं। रिक्त स्थान के लिए उचित मुहावरा चुनिए
(क) घड़ों पानी पड़ना
(ख) सिर पर तलवार लटकना
(ग) आकाश से तारे तोड़ना
(घ) तीन–तेरह होना

(4) परीक्षा के दिनों में छात्र पढ़ते–पढ़ते .....। उपयुक्त विकल्प से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए
(क) आड़े हाथों लेते हैं
(ख) आँखें फोड़ लेते हैं
(ग) आँखों में धूल झोंकते हैं
(घ) दाँतों तले उँगली दबा लेते हैं

(5) रेखांकित अंश के लिए कौन–सा मुहावरा प्रयुक्त करना उचित रहेगा–
जबसे रमेश ने नौकरी छोड़ व्यापार शुरू किया है वह तो <u>बहुत अधिक परिश्रमी</u> बन गया है।
(क) कोल्हू का बैल
(ख) ठन–ठन गोपाल
(ग) अड़ियल टट्टू
(घ) गोबर गणेश

(6) 'स्वार्थ सिद्ध करना' अर्थ के लिए उपयुक्त मुहावरा है–
(क) अपना राग अलापना
(ख) आँखे चुराना
(ग) पीठ दिखाना
(घ) अपना उल्लू सीधा करना।

7. **निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–** $(1 \times 5 = 5)$

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
अवलोक रहा है बार–बार
पल–पल परिवर्तित प्रकृति–वेश।
नीचे जल में निज महाकार,
मेखलाकार पर्वत अपार
जिसके चरणों में पला ताल
अपने सहस्त्र दृग–सुमन फाड़,
दर्पण–सा फैला है विशाल है!

(1) पद्यांश में किस ऋतु का वर्णन किया गया है?
(क) शरद ऋतु का
(ख) ग्रीष्म ऋतु का
(ग) वर्षा ऋतु का
(घ) वसंत ऋतु का

Continue on next page.....

(2) पर्वत किस आकार का है?
(क) माला के आकार का
(ख) करधनी के आकार का
(ग) त्रिशूल के आकार का
(घ) सूरज के आकार का

(3) पर्वत के चरणों में स्थित ताल की तुलना किससे की है?
(क) सूर्य से
(ख) रेगिस्तान से
(ग) दर्पण से
(घ) समुद्र से

(4) 'दृग–सुमन' में कौन–सा अंलकार है?
(क) रूपक अलंकार
(ख) उपमा अलंकार
(ग) श्लेष अलंकार
(घ) यमक अलंकार

(5) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए–
(i) पर्वतीय क्षेत्र है और गरमी की ऋतु है।
(ii) प्रकृति पल–पल में अपना रूप बदल रही है।
(iii) पर्वत पर फूल नहीं खिले हैं।
(iv) पर्वत की तलहटी में एक तालाब है।
(v) पर्वतमाला दूर–दूर तक फैली है।
पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए
(क) (i), (ii) और (iv)
(ख) (ii), (iv) और (v)
(ग) (i), (iv) और (v)
(घ) (ii), (iii) और (iv)

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए–** $(1 \times 2 = 2)$

(1) कवि मनुष्य का आह्वान करता है–
(क) एक–दूसरे का सहारा लेकर उठने के लिए
(ख) आगे बढ़ने के लिए
(ग) देवों की गोद में आरूढ़ होने के लिए
(घ) उपर्युक्त सभी

(2) "तव मुख पहचानूँ छिन–छिन में" से कवि का क्या भाव है?
(क) दुख के दिनों में पल–पल ईश्वर को याद करता रहूँ।
(ख) विपत्ति आने पर पल–पल ईश्वर का मुँह ताकूँ।
(ग) सुख के दिनों में भी सदा ईश्वर को याद करता रहूँ।
(घ) सुख के दिनों में ईश्वर को भूल जाया करूँ।

9. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए–** **$(1 \times 5 = 5)$**

वह एक छः मंजिला इमारत थी जिसकी छत पर दफ़्ती की दीवारोवाली और तातामी (चटाई) की ज़मीनवाली एक सुंदर पर्णकुटी थी। बाहर बेढ़ब–सा एक मिट्टी का बरतन था। उसमें पानी भरा हुआ था। हमने अपने हाथ पाँव इस पानी से धोए। तौलिए से पोंछे और अंदर आ गए। अंदर 'चाजीन' बैठा था। हमें देखकर वह खड़ा हुआ। कमर झुकाकर उसने हमें प्रणाम किया। दो.....झो.....(आइए, तशरीफ लाइए) कहकर स्वागत किया। बैठने की जगह हमें दिखाई। अँगीठी सुलगाई। उस पर चायदानी रखी। बगल के कमरे में जाकर कुछ बर्तन ले आया। तौलिए से बर्तन साफ किए सभी क्रियाएँ इतनी गरिमापूर्ण ढंग से कीं कि उसकी हर भंगिमा से लगता था मानों जयजयवंती के सुर गूँज रहे हों। वहाँ का वातावरण इतना शांत था कि चायदानी के पानी का खदबदाना भी सुनाई दे रहा था।

(1) इमारत मे मंजिले थी–

(क) पाँच

(ख) छः

(ग) सात

(घ) आठ

(2) पर्णकुटी की दीवारे थी–

(क) ईंटो की

(ख) पत्थर की

(ग) काँच की

(घ) दफ़्ती की

(3) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों मे से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए–

कथन (A) चायदानी के पानी का खदबदाना सुनाई दे रहा था

कारण (R) आस–पास का वातावरण बहुत शांत था।

(क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो ही गलत है

(ख) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है

(ग) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है

(घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनो सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है

(4) चाय बनाने की प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं है–

(क) अँगीठी सुलगाना

(ख) अँगीठी पर चायदानी रखना

(ग) तौलिए से बर्तन साफ़ करना

(घ) दूध उबालना

(5) 'चाजीन' ने सभी क्रियाएँ की थी–

(क) गरिमापूर्ण ढंग से

(ख) असभ्यतापूर्वक

(ग) अनमने ढंग से

(घ) जल्दबाजी से

10. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए–** **(1 × 2 = 2)**

(1) निम्नलिखित में से कौन–सा वाक्य कलकत्तावासियों के लिए 26 जनवरी, 1931 के दिन की महत्ता को दर्शाता हैं?

(i) लोगों ने अग्रेंजी सरकार का डटकर विरोध किया

(ii) स्वतंत्रता दिवस सभी स्त्री–पुरूषों ने मिलकर मनाया

(iii) स्वतंत्रता की घोषणा पढ़ डाली

(iv) कलकत्ता के प्रत्येक भाग में झंडे लगाए गए।

(क) केवल (iv)

(ख) (i) और (ii)

(ग) (ii) और (iii)

(घ) (i), (ii) (iii) व (iv)

(2) वजीर अली का मकसद क्या था?

(क) वह अवध को फैलाना चाहता था

(ख) वह अवध को अंग्रेजों से मुक्त कराना चाहता था

(ग) वह अवध को बर्बाद करना चाहता था

(घ) इनमें से कोई नहीं

खंड ब – (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए–** **(3 × 2 = 6)**

(1) बड़े भाई की स्वभावगत विशेषताएँ बताइए।

(2) लेखक ने ऐसा क्यों लिखा है कि तीसरी कसम ने साहित्य–रचना के साथ शत–प्रतिशत न्याय किया है?

(3) सुलेमान, शेख अयाज के पिता और नूह के स्वभाव की उन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए, जो उन्हें आज के मनुष्यों से अलग करती है।

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए–** **(3 × 2 = 6)**

(1) संसार में सुखी व्यक्ति कौन है और दुःखी कौन? कबीर की साखी में 'सोना' और 'जगाना' किसके प्रतीक हैं? इनका प्रयोग यहाँ क्यों किया गया हैं? स्पष्ट कीजिए।

(2) मीराबाई ने हीरे से स्वंय का कष्ट दूर करने की जो विनती की हैं, उसमें स्वंय का कौन–सा संबंध बताया हैं? जिन भक्तों के उदाहरण दिए गए हैं, उनमें से एक पर की गई कृष्ण–कृपा को संक्षेप में लिखिए।

(3) 'कर चले हम फिदा' कविता में देशवासियों से क्या अपेक्षाएँ की गई हैं? क्या हम उन अपेक्षाओं को पूरा कर रहे हैं? तर्कसहित उत्तर दीजिए।

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए–** **(3 × 2 = 6)**

(1) समाज में रिश्तों की क्या अहमियत है? 'हरिहर काका' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(2) 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए कि बच्चों की रुचि पढ़ाई में क्यों नहीं थी? माँ–बाप को उनकी पढ़ाई व्यर्थ क्यों लगती थी?

(3) 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई और क्यों?

14. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए-** $(5 \times 1 = 5)$

(1) **समय का महत्त्व**

- समय का महत्त्व
- समय नियोजन
- समय गवाने की हानियाँ

(2) **पर्वों का बदलता स्वरूप**

- तात्पर्य
- परंपरागत तरीके
- बाजार का बढ़ता प्रभाव

(3) **महानगरीय जीवन**

- विकास की अँधी दौड
- संबंधों का ह्रास
- दिखावा

15. (1) **रेलयात्रा के दौरान रेल में मिलने वाले भोजन के आपत्तिजनक, न्यून स्तर की शिकायत करते हुए रेलवे पुलिस अधीक्षक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।** $(5 \times 1 = 5)$

अथवा

(2) **किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को अपने क्षेत्र में चल रही बिजली की कटौती में सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करने के लिए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।**

16. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पर लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए-** $(4 \times 1 = 4)$

(1) विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाने के लिए योजनाबद्ध कार्यक्रम के निर्धारण हेतु सभी कक्षाओं के प्रतिनिधियों की बैठक के लिए समय, स्थान आदि के विवरण सहित सूचना लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए।

अथवा

(2) बाढ़ पीड़ितों को सहायता देने के लिए प्रधानाचार्य की ओर से सूचना 'लगभग 80 शब्दों में लिखिए।

17. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए-** $(3 \times 1 = 3)$

(1) नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेलपॉलिश का विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए।

अथवा

(2) आपके विद्यालय में श्रेया घोषाल की गायकी का कार्यक्रम है। इस संदर्भ में किसी प्रतिष्ठित समाचार पत्र में देने योग्य विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए।

18. (1) **'बुद्धि ही बल है' विषय पर लघु कथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए।** $(5 \times 1 = 5)$

अथवा

(2) **अपने क्षेत्र में पार्क का निर्माण करवाने हेतु उद्यान विभाग के सचिव को ई-मेल लिखिए।**

□□□□□□□